शिक्षक के आचरण से सीखते हैं विद्यार्थी

मिसाल : नेतृत्व क्षमता कार्यक्रम का शुभारंभ, उच्च शिक्षा मंत्री वर्चुअल हुए शामिल

भोपाल, 11 सितंबर. उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि चरित्र निर्माण का कोई सॉफ्टवेयर नहीं होता है. विद्यार्थी, शिक्षकों के आचरण एवं व्यवहार से ही सीखते हैं, इसलिए शिक्षकों को अनुसरणीय व्यक्तित्व के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा. परमार ने कहा कि विद्यार्थियों में संस्थान एवं शिक्षकों के प्रति श्रद्धा का भाव शिक्षक ही स्थापित करते हैं, इस तरह शिक्षक अपने व्यवहार से विद्यार्थियों में दो संस्कार एक साथ रोपित करते हैं.

मंत्री परमार ने भोपाल में उच्च शिक्षा विभाग एवं ओएसिस संस्थान गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों की नेतृत्व क्षमता एवं चरित्र निर्माण को लेकर शुरू मिसाल: नेतृत्व क्षमता (जनजातीय युवा विशेष प्रकल्प) कार्यक्रम के शुभारम्भ पर वर्चुअल सहभागिता की. मंत्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने, भारत केंद्रित शिक्षा एवं स्वाभिमान के जागरण का महत्वपूर्ण अवसर दिया है.

क्या है 'मिसाल' प्रोजेक्ट

गुजरात की संस्था ओएसिस एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से इस प्रोग्राम को संचालित किया जा रहा है. इसका उद्देश्य जनजातीय युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है. इसके लिए प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य दस जिलों का चयन किया गया है. इसके तहत सबसे पहले 10 जनजातीय जिलों के 30 शासकीय महाविद्यालयों के एनएनएस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है. छह दिनों तक चलने वाला यह प्रशिक्षण वडोदरा के ओएसिस कैम्पस में आयोजित किया जा रहा है. प्रशिक्षण के दौरान महाविद्यालय में एनएनएस का प्रभार संभाल रहे प्रोफेसर्स को जनजातीय युवाओं में नेतृत्व और चरित्र निर्माण के गुर सिखाए जाएंगे. प्रशिक्षण के बाद एनएसएस अधिकारी अपने-अपने महाविद्यालयों में जनजातीय युवाओं का चयन करके उन्हें कॉलेज के रोल मॉडल और समाजसेवी नेतृत्व के रूप में तैयार करेंगे.

जनजातीय संग्रहालय में आज से युद्ध कौशल का प्रदर्शन

भोपाल, 11 सितंबर. मप्र शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जनजातीय संग्रहालय में म.प्र. एवं देश के अन्य राज्यों में पारम्परिक जनजातीय एवं लोक समाजों में शारीरिक करतब एवं युद्ध की कलाओं केन्द्रित तीन दिवसीय समारोह 'उद्घोष' का आयोजन 12 से 14 सितम्बर, में किया जा रहा है. इसमें मप्र सहित दस राज्यों के कलरीपायतू, पइका, लेझिम, ढाल-तलवार रास, छाऊ, अखाड़ा, पाई डण्डा, सिलम्बम, थांगटा, गतका, पण्डवानी, आल्हा, बीछी, मलखम्भ और सैला नृत्य, युद्ध कौशल का प्रदर्शन प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से होगा.

शतरंज : गोवा में माधवेंद्र ने जीता कांस्य पदक

भोपाल, 11 सितंबर. राजधानी भोपाल के होनहार खिलाड़ी 12 वर्षीय माधवेंद्र प्रताप शर्मा ने गोवा में आयोजित राष्ट्रीय अंडर-13 शतरंज स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है.

माधवेंद्र ने 11 में से साढ़े आठ अंक बनाकर कांस्य पदक अपने नाम किया. अब वे इसी माह में कजाकिस्तान के अलमाटी शहर में आयोजित होने वाली वर्ल्ड क्रेडिट चेस चैंपियनशिप में भी अंडर-12 आयु वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. माधवेंद्र इससे पहले 2022 में इंडोनेशिया में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन स्वर्ण पदक हासिल कर चुके हैं. राष्ट्रीय स्तर पर अंडर-9 और अंडर-11 आयु वर्ग में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीते हैं.

आज से मृगनयनी में सूट कलेक्शन उत्सव

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 11 सितंबर. मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की ओर से शुक्रवार से सूट कलेक्शन उत्सव का आयोजन किया जा रहा है. यह उत्सव न्यू मार्केट के जीटीवी कॉम्पलेक्स स्थित मृगनयनी एम्पोरियम में शुरू हो रहा है. 21 सितंबर तक यह उत्सव चलेगा.

एम्पोरियम के प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि उत्सव में उज्जैन के प्रसिद्ध कारीगर मोहम्मद इकबाल अपने अनूठे डिजाइनों के साथ ब्लॉक प्रिंट में बाग, बटिक प्रिंट और इंडिगो प्रिंट की विशेष डिजाइन में तैयार सूट कलेक्शन को प्रस्तुत करेंगे.

संतूर और वायलिन की झंकार से हुई सुरों की वर्षा

भारत भवन में बादल राग समारोह का दूसरा दिन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 11 सितंबर. भारत भवन में आयोजित बादल राग समारोह के दूसरे दिन गुरुवार को संगीत सभा का प्रारंभ युवा वायलिन वादक ऋषभ मलिक की मोहक प्रस्तुति से हुआ. उन्होंने राग मेघ का चयन करते हुए विलंबित एक ताल की बंदिश से सुरों की शुरुआत की. श्रोताओं को बरसात की नमी का एहसास वायलिन की धुनों में महसूस हुआ.

इसके बाद उन्होंने उसी राग में द्रुत तीन ताल की जटिल धुन प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. अंत में ऋषभ ने लोकप्रिय भजन बाजे मुरलिया बाजे की धुन से प्रस्तुति का समापन किया. उनकी प्रस्तुति में मनोज पाटीदार ने तबले पर संगत देकर सुरों की गहराई को और अधिक प्रभावशाली बनाया.

इसके बाद सुप्रसिद्ध संतूर वादक पंडित राहुल शिवकुमार शर्मा ने बादल राग की प्रस्तुति को अपने पिता और गुरु पंडित शिव कुमार शर्मा को समर्पित की. बादल राग की इस विशेष प्रस्तुति के लिए उन्होंने राग मियां मल्हार का चयन किया और आलाप जोड़ झाला की प्रस्तुति उपरांत तीन रचनाओं को पेश किया. इसमें 10 मात्रा झपताल और मध्यलय द्रुत ताल में निबद्ध रचनाओं की प्रस्तुति दी. उनकी प्रस्तुति में संतूर के स्वरों का विस्तार, अलंकरण और सुरों की सजावट इतनी मोहक थी कि सभागार में श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठे.

एक नजर में

कहानी संग्रह अमानत का लोकार्पण कल

भोपाल. स्वर्गीय जगदीश किंजल्क के कहानी संग्रह का लोकार्पण दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय, शिवाजी नगर में 13 सितंबर को शाम 4:30 बजे किया जाएगा. कार्यक्रम का आयोजन साहित्य सदन भोपाल द्वारा किया जा रहा है. कार्यक्रम के अध्यक्ष, वरिष्ठ साहित्यकार एवं चुनाव आयुक्त मध्यप्रदेश, मनोज श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि कहानीकार मुकेश वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि शशांक, विजय लक्ष्मी विभा, प्रियदर्शी खैरा रहेंगे. पुस्तक का बीज वक्तव्य गोकुल सोनी करेंगे. संचालन दिनेश प्रभात के द्वारा किया जाएगा. पुस्तक का संपादन राजो किंजल्क के द्वारा किया गया है. कार्यक्रम का संयोजन अंशुल खरे एवं अद्वैत खरे द्वारा किया गया है.

दुर्गाजी के साथ लक्ष्मी, सरस्वती भी विराजेंगी

भोपाल. श्री दुर्गा उत्सव समिति व्यापारी संघ गोविंद गार्डन रायसेन रोड गोविंदपुरा द्वारा शारदीय नवरात्र में दुर्गा जी के साथ लक्ष्मी जी और सरस्वती जी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी. समिति के अध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि समिति का यह 29 वां वर्ष है. इस वर्ष आगामी 22 सितंबर से प्रारंभ होने वाले शारदीय नवरात्र पर्व में दुर्गा जी साथ लक्ष्मी जी एवं सरस्वती जी की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी.

महिलाओं ने समसगढ़ तीर्थ क्षेत्र में रोपे पौधे

भोपाल. जैन समाज की महिलाओं ने राजधानी के समीप समसगढ़ तीर्थ क्षेत्र में पौधे रोपकर और पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. इस अवसर पर हरियाली के प्रति और ग्रीन और क्लीन भोपाल के संदेश के साथ कोटेशन प्रतियोगिता भी रखी गई. कार्यक्रम संयोजक मनीषा एमपीटी ने बताया हमारा भोपाल स्वच्छ हो और चारों ओर हरियाली हो, इस संकल्प के साथ परिषद की सभी बहनों ने जड़ी बूटियों, औषधि आदि के पौधे बांटे.

सीमा कपूर ने अपने पिता की यादों को किया साझा

▶ 'आत्मकथा यूं गुजरी है अब तलक पर' पुस्तक पर चर्चा

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 11 सितम्बर. मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित विनिता चेतना श्रृंखला के अंतर्गत चर्चित लेखिका सीमा कपूर की आत्मकथा यूं गुजरी है अब तलक पर पुस्तक चर्चा का आयोजन गुरुवार शाम रविंद्र भवन के गौरांजलि सभागार में किया गया. कार्यक्रम में सीमा कपूर से संवाद रेखा कस्तवार और सुरेश तोमर ने किया.

सीमा कपूर प्रसिद्ध हिन्दी सिनेमा की निर्मात्री, निर्देशिका और लेखिका हैं. उन्होंने अपने पिता मदनलाल कपूर की पारसी रंगमंच और हिन्दी सिनेमा में योगदान की यादों को साझा किया. आत्मकथा में उन्होंने अपने जीवन-संघर्ष, पारिवारिक रिश्तों, कलात्मक अनुभवों और सिनेमा से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख किया है. कार्यक्रम में साहित्य, कला और सिनेमा प्रेमियों ने भाग लिया.

आयोजन ▶ भेल भोपाल में ज्ञान अर्जन सप्ताह 2025 के समापन पर जीएम उपाध्याय ने कहा-

राष्ट्र निर्माण में नए आयाम स्थापित करता रहेगा भेल

भेल संवाददाता

भोपाल, 11 सितंबर. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल), भोपाल द्वारा 5 से 11 सितम्बर तक 10वां ज्ञान अर्जन सप्ताह आयोजित किया गया. थीम थी - कोलैबोरेशन फॉर एग्जीक्यूशन एंड डाइवर्सिफिकेशन. इसमें कर्मचारियों, अधिकारियों और प्रशिक्षुओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया.

कार्यक्रम का समापन यूनिट प्रमुख एवं महाप्रबंधक प्रदीप कुमार उपाध्याय तथा मुख्य वक्ता डीआरडीओ चेयर (एमेरिटस) डॉ. सुधीर मिश्रा की उपस्थिति में हुआ. यूनिट प्रमुख उपाध्याय ने कहा कि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है, भेल राष्ट्र निर्माण में नित नए आयाम स्थापित करता रहेगा. उन्होंने इस सप्ताह को एचआरडी टीम की दूरदृष्टि, प्रयासों का परिणाम बताया. डॉ. मिश्रा ने स्ट्रैटेजिक ओरिएंटेशन एंड प्लानिंग, आइडेंटिफिकेशन एंड एनालिसिस ऑफ अपॉर्च्युनिटीज विषय पर वक्तव्य दिया.

> उपाध्याय ने कहा कि भारत की रक्षा तकनीक आज विश्व में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है और अनेक देश भारत के साथ सहयोग एवं संयुक्त उपक्रमों में रुचि ले रहे हैं. सप्ताह भर में कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें ओएनजीसी के लिए कस्टमर ट्रेनिंग ऑन अल्टरनेटर ट्रबलशूटिंग एंड मेंटेनेंस, मल्टी स्किलिंग ट्रेनिंग, 3डी प्रिंटिंग प्रतियोगिता और लीडरशिप सेशन्स प्रमुख रहे.